[श्री यशपाल सिंह]

"Party system of Government is not only not democracy but it strike at the root of democracy."

जब हिन्दुस्तान की सब से बड़ी पार्टी के अध्यक्ष संजीव रेड्डी यह कह सकते हैं कि गिरे से गिरा कांग्रेसी ऊंचे से ऊंचे अपोजीशन के आदमी से बेहतर है तो यह अल्फाज डेमोक्रसी के अन्दर अच्छे नहीं नहीं लगते हैं। डेमोक्रसी में इन लफ्जों की कोई कीमत नहीं है। आज हाउस के सामने मेरी अर्ज यह है कि हम इकट्ठा हो कर ४४ करोड़ जनता की भाषा में सोचें, ४४ करोड़ इन्सान एक जगह पर इकट्ठा हो कर अपनी मातृभूमि की रक्षा के लिये एक स्कीम बनायें। आज सरकार की इंटेग्रिटी का तकाजा यह है कि तमाम पार्टीज के लोग बुलवाय जायें, उन के नुमाइन्दे बुलाये जायें, जायें, कम्युनिस्ट बुलाये जायें, जन संघी बुलाये जायें, हिन्दू महासभाई बुलाय जायें, स्वतन्त्र पार्टी के लोग बुलाये जायें, सब लोग बुलाये जायें, सोसलिस्ट और पी० एस० पी० के लोग बुलाये जायें और उन के बीच में बैठ कर कहा जाये कि यह ४४ करोड़ लोगों की मां है, किसी एक पार्टी के लोगों की मां नहीं है, सब को इस पर बराबर का हक है, सब इस के बराबर के बेटे हैं, सब ने इस मातृभूमि का नमक खाया है, आज इस बात की जरूरत है कि सब लोग मिल कर इस देश की रक्षा के लिये कोई स्कीम बनायें। यह काम हम लोगों के करने का है जब हम अंग्रेजों के जमाने में फांसी की कोठरियों में गये थे तो कोई वजह नहीं है कि आजादी के दिनों में सीना खोल कर हम दुश्मनों का मुकाबला न करें। आज जैसा एक हमारे सदस्य ने कहा, जो कि पहाड़ी इलाके से आते हैं, कि अब तक हम ने वह सड़क नहीं बनाई जिस पर खड़े हो कर हम देश की रक्षा करेंगे। मुझे बड़ा ताज्जुब होता है, जब मैं देखता हूं कि एक-एक एलैक्शन पर हम दस-दस लाख रुपया खर्च करते हैं लेकिन मातृ भूमि की रक्षा के लिये एक पैसा भी नहीं खर्च करते हैं। मैं पूछना चाहता हूं सरकार से कि हमारे यहां सिर्फ १५,००० के करीब होस्टाइल नागा हैं, उन १५,००० नागाओं के लिये वहां पर ४५,००० की फौज क्यों डाल रक्खी है? क्या तीन सिपाही एक-एक नागा को कंट्रोल करेंगे? हमारे एक-एक सिपाही के अन्दर इतना आत्मविश्वास होना चाहिये कि एक सिपाही कई सौ बागियों को कंट्रोल कर सके। इस के लिये हम को हिन्दुस्तान को मिलिट्राइज करना होगा, हिन्दुस्तान का सैनीकीकरन करना होगा और हिन्दुस्तान के अन्दर, ४४ करोड़ इन्सानों के अन्दर वह जज्बा पैदा करना होगा कि देश की रक्षा उनको करनी है। इसमें पार्टी फीलिंग को छोड़ कर हम अपने आदर्श को आगे बढ़ायें और देश की रक्षा करें।

इस वास्ते मैं मजबूर हूं, हमारे राष्ट्रपति जी ने जो अभिभाषण दिया है उस के लिये मैं उन को धन्यवाद नहीं दे सकता हूं। हां अगर वह सच्चे समाजवाद को ले कर और सच्ची रक्षा को ले कर आगे आयें तो मैं उन का अवश्य ही धन्यवाद करूंगा।

Mr. Speaker: The discussion is concluded. The Prime Minister will reply tomorrow.

17.10½ hrs.

BUSINESS ADVISORY COMMITTEE

FIRST REPORT

Shri Rane (Buldana): Sir, I beg to present the First Report of the Business Advisory Committee.

17.11 hrs.

The Lok Sabha then adjourned till Elven of the Clock on Wednesday, May 2, 1962/Vaisakha 12, 1884 (Saka).